Q. समाजशास्त्र का मानवशास्त्र के साथ संबंध की विवेचना करें।

Ans समाजशास्त्र और मानवशास्त्र - मानवशास्त्र और समाजशास्त्र एक-दूसरे से घनिष्ठ रूप से संबंधित है। कुछ विद्वान इन दोनों को एक समान समझते हैं तथा इन दोनों के भेद करना कठिन हो जाता है। क्रोबर ने इसे जुड़वा बहनें (twin sister) कहा है। ऐसा इसलिए कहा गया है कि दोनों विद्वानों में समान समस्याओं का अध्ययन किया जाता है। दोनों का अंतिम लक्ष्य समाज की वास्तविक स्थिति को ज्ञात करना है।

वास्तव में मानवशास्त्र एक विस्तृत शास्त्र है तथा इसके विभिन्न भाग है। मानवशास्त्र के मुख्य तीन भाग है -

① शारीरिक मानवशास्त्र (Physical Anthropology) - शारीरिक मानवशास्त्र के अन्तर्गत मानव की शारीरिक विशेषताओं का अध्ययन किया जाता है तथा मनुष्य की भौतिक एवं प्राणीशास्त्रीय उत्पत्ति सम्बन्धी तथ्यों का भी अध्ययन किया जाता है।

② प्रागैतिहासिक मानवशास्त्र (Prehistoric Anthropology) - प्रागैतिहासिक मानवशास्त्र में ऐतिहासिक युग में संस्कृति की उत्पत्ति तथा उसके विकास का अध्ययन किया जाता है। इसके अध्ययन से समाज में होने वाले परिवर्तनों को आसानी -

से समझा जा सकता है जो समाजशास्त्र के अध्ययन का विषय है।

(C) सामाजिक मानवशास्त्र (Social Anthropology) :- मानवशास्त्र की इस शाखा के अन्तर्गत आदिम समाज का अध्ययन किया जाता है। आदिम समाज के आधार पर आधुनिक समाज को समझने में आसानी होती है। समाजशास्त्र आदिम समाज के अध्ययन के आधार पर ही आधुनिक समाज की व्याख्या करता है। सामाजिक मानवशास्त्र तथा अध्ययन के आधार पर ही आधुनिक समाज की व्याख्या करता है। सामाजिक मानवशास्त्र में आदिम समाज का अध्ययन किया जाता है, जबकि समाजशास्त्र में आधुनिक आदिम समाज का अध्ययन किया जाता है। आदिम समाज के आधार पर आधुनिक समाज को समझने में आसानी होती है।

इस प्रकार हम देखते हैं कि सामाजिक मानवशास्त्र और समाजशास्त्र को जोड़ने वाली कड़ी है। इस मानवशास्त्र से समाजशास्त्र बहुत अधिक सम्बन्धित हो जाता है।

प्रो. निवास ने कहा कि सामाजिक मानवशास्त्र तथा समाजशास्त्र के अंतर को समाप्त कर देना समाजशास्त्र के लिए हितकर है।

ऐ हर्बर्ट ने भी समाजशास्त्र तथा मानवशास्त्र में कोई अंतर नहीं माना। होबेल ने इस संबंध में कहा कि विस्तृत अर्थ में समाजशास्त्र और मानवशास्त्र बिल्कुल एक समान है।"

वर्तमान युग में जैसे-जैसे आदिम समाज, आधुनिक समाज और सभ्य समाज में बदल रहा है वैसे-वैसे मानवशास्त्र और समाजशास्त्र एक दूसरे के निकट होते जा रहे हैं।

अंतर :- इन दोनों विज्ञानों में घनिष्ठ संबंध होते हुए भी कुछ अंतर है जो इस प्रकार है -

(1.) समाजशास्त्र सभ्य समाजों का अध्ययन करता है। जबकि सामाजिक मानवशास्त्र आदिम समाज का अध्ययन करता है।

(2) सामाजिक मानवशास्त्र संपूर्ण मानव का अध्ययन करता है। वह एक समाज की आर्थिक व्यवस्था परिवारिक संगठन, धर्म, कला, उद्योग-धंधों इत्यादि का अध्ययन करता है। समाजशास्त्र समाज के विशिष्ट अंगों का अध्ययन करता है, जैसे - विवाह, सामाजिक - गतिशीलता आदि

(3) समाजशास्त्र एक विशुद्ध विज्ञान (Pure - science) है जबकि मानवशास्त्र

~~इस प्रकार का कोई सुझाव नहीं है। इस प्रकार का कोई सुझाव नहीं है।~~ एक व्यावहारिक सामाजिक विज्ञान है।

④ समाजशास्त्र एक और सामाजिक दर्शन और दूसरी ओर सामाजिक नियोजन से संबंधित है। वह भविष्य की योजना के लिए सुझाव देता है सामाजिक मानवशास्त्र इस प्रकार का कोई सुझाव नहीं देता।

DR Nigam Kumar Mishra
Asst Prof (Guest Faculty)
Dept of Sociology
Date - 25/01/2022